

स

सं वि. (तत्.) 1. एक स्थान पर जोड़कर या मिलाकर रखा गया, संयुग्मित, एकत्र किया गया 2. मिलाया या सम्मिलित किया हुआ 3. संबद्ध, संश्लिष्ट, युक्त 4. अनुकूल, अनुरूप 5. जो अधिकारियों के द्वारा नियमों, विधियों आदि की संहिता के रूप में तैयार किया गया हो 6. अन्वित, युक्त 7. शब्द-समूह जिसका क्रम न टूटा हो।

संस्कृज्वन क्रि. (तत्.) 1. चरखी पर सूत, धागा या फिल्म लपेटना 2. घूम-घूमकर नाचना 3. चकराना 4. डममगाना 5. लड़खड़ाना।

संकट पुं. (तत्.) 1. संकीर्ण मार्ग, तंग रास्ता 2. दो पहाड़ों के बीच का तंग रास्ता, दर्रा 3. ऐसी स्थिति जिसमें दोनों ओर कष्टों या विपत्तियों का सामना करना पड़ता हो और बीच में निश्चिंतता या सुखपूर्वक रहने के लिए बहुत ही थोड़ा अवकाश रह गया हो 4. विपत्ति, आफत खतरा 5. किसी व्यवस्था में अचानक असाधारण स्थिति या उत्तेजना का उत्पन्न होना 6. नाजुक घड़ी टि. 1. सँकरा, संकीर्ण 2. अगम्य 3. सिकुड़ा हुआ 4. भीड़ा 5. अभय 6. पूर्ण 7. जुड़ा हुआ 8. घिरा हुआ।

संकट मुख वि. (तत्.) जिसका मुख सँकरा हो।

संकटा स्त्री. (तत्.) 1. एक प्रसिद्ध देवी जो संकट या विपत्ति का निवारण करने वाली मानी जाती है 2. फलित ज्योतिष में अष्ट योगिनियों में से एक।

संकटापन्न श्रू.कृ. (तत्.) संकटग्रस्त, संकटपूर्ण, संकट या कष्ट में पड़ा हुआ।

संकण पुं. (तत्.) कंकड़ अथवा पत्थरों का पुंज जो प्राकृतिक रूप से संग्रथित हो गया हो। concrement

संकणिका पुं. (तत्.) फफूंदी के बीजांड के कोशिका द्रव्य को गहरा रंग देना।

संकर वि. (तत्.) 1. दो या अधिक भिन्न पदार्थों से बना हुआ या मिला हुआ 2. दो अलग-अलग जातियों आदि के जीवों या प्राणियों के संसर्ग से उत्पन्न 3. वर्णसंकर 4. दोगला पुं. 1. सम्मिश्रण, मिलावट, अंतर्मिश्रण, साथ मिलाना 2. दो अलग-अलग प्रकार की चीजों का आपस में मिलकर एक होना 3. अंतर्जातीय अवैध विवाह, जिसका परिणाम मिश्र जातियाँ हैं 4. भिन्न-भिन्न जातियों के स्त्री-पुरुष के संबंध से उत्पन्न संतान 5. दो या दो से अधिक आश्रित अलंकारों का एक ही संदर्भ में मिश्रण 6. झाड़ देने पर उड़ने वाली धूल, बुहारन, कूड़ाकरट।

संकरक वि. (तत्.) 1. मिलाने या मिश्रण करने वाला 2. संकर रूप में लाने वाला।

संकरण पुं. (तत्.) दो भिन्न-भिन्न जातियों या वर्गों के प्राणियों, वनस्पतियों आदि का संयोग कराके किसी अच्छी या नई जाति का प्राणी या वनस्पति उत्पन्न करने की क्रिया, प्रणाली या भाव। cross breeding

संकरता स्त्री. (तत्.) 1. संकर होने का भाव, धर्म या अवस्था, संकरपन 2. दोगलापन।

संकरपद पुं. (तत्.) भाषा में, ऐसा समस्त पद जो दो विभिन्न स्रोतों या भाषाओं के शब्दों के योग से बना हो।

संकर समास पुं. (तत्.) व्याकरण में दो ऐसे शब्दों का समास जिनमें से एक शब्द किसी एक भाषा का और दूसरा किसी अन्य भाषा का हो।

संकरा पुं. (तत्.) शंकराभरण (राग)

संकर्तक पुं. (तत्.) 1. कर्तिव्र 2. गंडासा 3. कर्तक 4. सविराम 5. अवरोधक 6. अंतरायित्र।

संकर्म पुं. (तत्.) रसा. वह परिघटना जहाँ एक रसायन पीड़कनाशी की तरह स्वयं सक्रिय न होते हुए भी विशेष पीड़कनाशी की विषाक्तता को बढ़ा देता है।